



भारत-थाईलैंड संबंध

प्रलमिस् के लयि:

8वाँ भारत-थाईलैंड रक्षा संवाद, [ASEAN](#), [BIMSTEC](#), [अभ्यास MAITREE](#), अभ्यास SIAM BHARAT, [भारत-थाईलैंड समन्वति गशत](#) ।

मेन्स के लयि:

भारत-थाईलैंड संबंध ।

चरचा में क्यौं?

8वीं भारत-थाईलैंड रक्षा वारता का आयोजन बैंकॉक, थाईलैंड में हुआ जसिके दौरान दोनों पक्षों ने अपने द्वपिकर्षीय रक्षा सहयोग पर संतोष व्यक्त किया ।





//

वार्ता के प्रमुख बटु:

- इसमें वभिन्न द्वपिकषीय रकषा सहयोग पहलुं की प्रगतकी समीकषा की गई ।
- रकषा, समुद्री सुरकषा और बहुराषटरीय सहयोग के कषेत्र में समन्वय को बढावा देने पर बल दिया गया ।
 - थाईलैंड ने भारतीय रकषा उद्योग की कषमता में वशिवास व्यक्त किया ।
- इस दौरान सहयोग के उभरते कषेत्रों और वैश्वकि मुद्दों के समाधान की दशिा में उठाए जाने वाले कदमों को भी स्पष्ट किया गया ।

थाईलैंड के साथ भारत के संबंध:

- राजनयकि संबंध:
 - थाईलैंड और भारत के बीच राजनयकि संबंध 1947 से है ।
 - ये संबंध आर्थकि और सांस्कृतकि संबंधों की नींव पर नरिमति हैं जो 2000 से अधकि वर्षों से मौजूद हैं ।
 - भारत की 'लुक ईस्ट' नीति (वर्ष 1993 से) और थाईलैंड की 'लुक वेस्ट' नीति (वर्ष 1996 से), जो अब भारत की 'एकट ईस्ट' और थाईलैंड की 'एकट वेस्ट' में बदल गई है, आर्थकि एवं वाणजियकि संबंधों सहति द्वपिकषीय संबंधों को मज़बूत करने में दृढता से योगदान दे रही हैं ।
- आर्थकि और वाणजियकि संबंध:
 - वर्ष 2019 में द्वपिकषीय व्यापार 12.12 बलियन अमेरकि डॉलर का था और महामारी की स्थति के बावजूद वर्ष 2020 में यह 9.76 बलियन अमेरकि डॉलर तक पहुँच गया ।
 - वर्ष 2018 में भारत को थाईलैंड द्वारा लगभग 7.60 बलियन अमेरकि डॉलर का नरियात किया गया था, जबकि थाईलैंड को भारत द्वारा लगभग 4.86 बलियन अमेरकि डॉलर का नरियात किया गया था ।

- भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2021-22 में लगभग 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया।
- **आसियान क्षेत्र** में संगापुर, वयितनाम, इंडोनेशिया और मलेशिया के बाद **थाईलैंड भारत का 5वाँ सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।**
 - वर्तमान में थाई सामानों को **आसियान-भारत FTA** के तहत **कर कटौती से लाभ हुआ है**, जो जनवरी 2010 में लागू हुआ था।
- **रक्षा सहयोग:**
 - समय के साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंधों का वसितार हुआ है और इसमें रक्षा संवाद बैठकें, सेनाओं के बीच आदान-प्रदान, उच्च-स्तरीय दौरे, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास शामिल हैं।
 - **रक्षा अभ्यास:**
 - अभ्यास मैत्री (सेना)।
 - सयाम भारत अभ्यास (वायु सेना)।
 - **भारत-थाईलैंड समन्वयित गश्ती** (नौसेना)।
- **कनेक्टिविटी:**
 - वर्ष 2019 में लगभग 1.9 मिलियन भारतीय पर्यटकों ने थाईलैंड का दौरा किया, जबकि लगभग 160,000 थाई पर्यटकों ने मुख्य रूप से **बौद्ध तीर्थ स्थलों** के लिये भारत का दौरा किया।
 - भारत और थाईलैंड **बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (BIMSTEC) ढाँचे के लिये बंगाल की खाड़ी पहल के तहत** भी क्षेत्रीय संपर्क में सुधार के लिये मलिकर काम कर रहे हैं।
 - बहुपक्षीय भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग से पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के माध्यम से भूमि-संपर्क का वसितार होने की उम्मीद है, जो दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच पहला सीमा पार सुवधा समझौता बन गया है।
- **सांस्कृतिक सहयोग:**
 - भारत और थाईलैंड में भारतीय सांस्कृतिक मंडलों, त्योहारों और कार्यक्रमों के लिये नियमति यात्राओं के साथ एक मज़बूत सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम है।
 - एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, जसि अब **स्वामी वविकानंद संस्कृतिकेंद्र** के रूप में जाना जाता है, बैंकॉक में वर्ष 2009 में स्थापति किया गया था।
 - श्री गुरुनानक देव जी की 550वीं जयंती थाईलैंड में भी वभिन्न कार्यक्रमों और बैंकॉक में एक भव्य नगर कीर्तन जुलूस के साथ मनाई गई।
 - भारत के संवधान का थाई भाषा में अनुवाद थाईलैंड में शुरू किया गया था।

आगे की राह

- दोनों देशों को व्यापार बाधाओं से संबंधित मुद्दों का समाधान करना चाहिये और व्यापार एवं निवेश का वसितार करने के लिये द्विपक्षीय **अनुबंधों** के माध्यम से आयात शुल्क को कम करना चाहिये।
- भारत के स्टार्ट-अप पारितंत्र और थाईलैंड के बीच सहयोग के अवसरों का भी पता लगाया जाना चाहिये।
- दोनों देश एक-दूसरे के बाज़ारों में निवेश कर आपूर्ति शृंखला के अंतराल को कम करने के लिये मलिकर काम कर सकते हैं।
- रक्षा अनुबंधों, सैन्य आदान-प्रदान और संयुक्त अभ्यासों के माध्यम से रणनीतिक एवं सुरक्षा संबंधी सहयोग को मज़बूत करना भी आवश्यक है।

स्रोत: पी.आई.बी.